भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2441

जिसका उत्तर शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026/24 माघ, 1947 (शक) को दिया जाना है।

यूरिया का आयात

2441. श्री के. ई. प्रकाशः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय उर्वरक संघ के आंकड़ों पर ध्यान दिया है, जो दर्शाता है कि अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान यूरिया का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुने से बढ़कर लगभग 7.17 मिलियन टन हो गया, जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू यूरिया उत्पादन में गिरावट आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उर्वरकों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के बार-बार आश्वासन के बावजूद घरेलू यूरिया उत्पादन में गिरावट के क्या कारण हैं;

(ग) क्या यूरिया के आयात पर बढ़ती निर्भरता के कारण मूल्य दबाव बढ़ा है और देश के किसानों को वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों और अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने तमिलनाडु राज्य के इरोड संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित कृषि प्रधान निर्वाचन क्षेत्रों में किसानों पर यूरिया की ऊंची कीमतों के प्रभाव पर ध्यान दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कीमतों को स्थिर करने, घरेलू यूरिया उत्पादन क्षमता बढ़ाने और समयबद्ध तरीके से आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कौन से नीतिगत उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): अप्रैल-नवंबर 2024-25 और अप्रैल-नवंबर 2025-26 के दौरान देश में यूरिया के उत्पादन और आयात का विवरण नीचे सारणीबद्ध है:

वर्ष	**यूरिया का उत्पादन (एलएमटी में)**	**यूरिया का आयात (एलएमटी में)**
2024-25 (अप्रैल-नवंबर)	205.21	32.55
2025-26 (अप्रैल-नवंबर)	197.61	71.71

(ख): काकीनाड़ा स्थित नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (एनएफसीएल-यूनिट-I और यूनिट-II) की दो इकाइयां, जिनमें से प्रत्येक की उत्पादन क्षमता 5.97 एलएमटी प्रति वर्ष है, एसेट

रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड (एसीआरई) से एसएआरएफईएएसआई प्रक्रिया के तहत एएम ग्रीन अमोनिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एनएफसीएल की अमोनिया-यूरिया संपत्तियों की खरीद के कारण क्रमशः 5 जून 2024 और 1 जून 2024 से बंद हैं।

इसके अलावा, कानपुर फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (केएफसीएल)-कानपुर जिसकी उत्पादन क्षमता 7.22 एलएमटी प्रति वर्ष है, 1 अप्रैल 2025 से बंद है।

(ग) से (ङ.): यूरिया सब्सिडी स्कीम के अंतर्गत, यूरिया की आपूर्ति सांविधिक रूप से अधिसूचित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर की जाती है। यूरिया की 45 किग्रा. बोरी का एमआरपी 242 रुपए (नीम लेपन प्रभारों और यथालागू करों को छोडकर) है। फार्म गेट पर यूरिया की सुपुर्दगी लागत और यूरिया इकाइयों द्वारा निवल बाजार वसूली के बीच का अंतर भारत सरकार द्वारा यूरिया उत्पादकों/आयातकों को सब्सिडी के रूप में दिया जाता है। तदनुसार, सभी किसानों को उर्वरकों की आपूर्ति सब्सिडी प्राप्त दरों पर की जा रही है।

यूरिया के संबंध में, सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुविधाजनक बनाने और यूरिया क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति (एनआईपी)-2012 की घोषणा की और 7 अक्टूबर, 2014 को इसमें संशोधन किया। एनआईपी-2012 के तहत कुल 6 नई यूरिया इकाइयां स्थापित की गई हैं जिनमें नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनियों (जेवीसी) के माध्यम से स्थापित 4 यूरिया इकाइयां और निजी कंपनियों द्वारा स्थापित 2 यूरिया इकाइयां शामिल हैं। तेलंगाना में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) की रामागुण्डम यूरिया इकाई तथा हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूरिया इकाइयां नामतः गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी क्रमशः उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार में जेवीसी के माध्यम से स्थापित इकाइयां हैं। पश्चिम बंगाल में मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया इकाई; और राजस्थान में चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (सीएफसीएल) की गड़ेपान-।।। यूरिया इकाई निजी कंपनियों द्वारा स्थापित इकाइयां हैं। इनमें से प्रत्येक इकाई की संस्थापित क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एलएमटीपीए) है। ये इकाइयां अत्यधिक ऊर्जा दक्ष हैं क्योंकि ये अद्यतन प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। अतः, इन इकाइयों ने मिलकर यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 एलएमटीपीए की वृद्धि की है जिससे वर्ष 2014-15 के दौरान रही 207.54 एलएमटीपीए की कुल स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता (पुनर्आकलित क्षमता, आरएसी) वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 283.74 एलएमटीपीए हो गई है। इसके अलावा, कोयला गैसीकरण रूट पर 12.7 एलएमटीपीए का एक नया ग्रीनफील्ड यूरिया संयंत्र स्थापित करके नामित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की जेवीसी नामतः तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के माध्यम से एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए एक विशेष नीति भी अनुमोदित की गई है। हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ब्रह्मपुत्र वैली फ़र्टिलाइज़र कारपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर के भीतर 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता के एक नए ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिसें असम वैली फर्टिलाइजर एण्ड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) के नाम से जाना जाएगा।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने स्वदेशी यूरिया उत्पादन को आरएसी से अधिक करने के एक उद्देश्य से मौजूदा 25 गैस-आधारित यूरिया इकाइयों के लिए 25 मई, 2015 को नई यूरिया नीति (एनयूपी)–2015 भी अधिसूचित की है। एनयूपी-2015 से यूरिया का उत्पादन वर्ष 2014-15 के दौरान हुए वार्षिक उत्पादन की तुलना में 20-25 एलएमटी बढ़ा है।

उपर्युक्त सभी उपायों से रिकार्ड यूरिया उत्पादन हुआ है, जो वर्ष 2014-15 के दौरान 225 एलएमटी प्रतिवर्ष था वर्ष 2023-24 के दौरान बढ़कर 314.07 एलएमटी हो गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश में 306.67 एलएमटी यूरिया का उत्पादन हुआ है।